हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 326 : जौनपुर, सोमवार 28 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

पिछले पांच सालों में 13 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला, बी20 समिट में बोले : मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को बी20 शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। बी–20 बिजनेस समिट में पीएम मोदी ने कहा कि, पिछले पांच साल के दौरान करीब 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। मोदी ने उद्योग जगत से उपभोक्ता अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। उन्होंने साल में एक दिन 'अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता सेवाश दिवस के रूप में मनाने का सुझाव देते हुए कहा है कि उद्योग जगत को उपभोक्ता अधिकारों का जश्न मनाने के बजाय उपभोक्ता केंद्रित बनने पर ध्यान देना चाहिए। मोदी ने रविवार को यहां बी20 (बिजनेस20) भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में त्योहारों का मौसम चंद्रयान–3 के चांद पर पहुंचने के साथ 23 अगस्त को ही शुरू हो गया है। मोदी ने कहा कि, 2–3 साल पहले, हम सबसे बड़ी महामारी से गुजरे थे। इस महामारी ने हर देश, समाज, व्यापारिक घराने और कॉर्पोरेट इकाई को एक सबक दिया। यानी हमें आपसी विश्वास में अधिकतम निवेश करने की जरूरत है। भारत ने महामारी के दौरान दुनिया को आपसी विश्वास दिया। कोविड के दौरान भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाएं मुहैया कराईं।

बी–20 बिजनेस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत में सबसे बड़ी युवा प्रतिभा है। उद्योग 4.0 के समय भारत डिजिटल क्रांति का चेहरा बन गया है। व्यवसाय संभावनाओं को समृद्धि में, बाधाओं को अवसरों में और बाधाओं को अवसरों में बदल सकता है। उपलब्धियों की आकांक्षा। चाहे वे छोटे हों या बड़े, वैश्विक या स्थानीय व्यवसाय सभी के लिए प्रगति सुनिश्चित कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा, यह उत्सव भारत की वृद्धि को गति देने के लिए है। यह उत्सव नवाचार के बारे में है। यह उत्सव अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की मदद से स्थिरता और समानता लाने के बारे में है। बता दें कि, शिखर सम्मेलन विश्व भर से नीति निर्माताओं, प्रमुख कारोबारियों और विशेषज्ञों को बी20 भारत आधिकारिक वक्तव्य (बी20 इंडिया कम्यूनिक) पर विचार–विमर्श और चर्चा के लिए एक मंच पर लाया है। बिजनेस 20 (बी20), वैश्विक कारोबारी समुदाय के साथ आधिकारिक जी20 वार्ता मंच है। इसकी स्थापना 2010 में की गई थी। बी20, भागीदारों के तौर पर कंपनियों और कारोबारी संगठनों के साथ जी20 में वार्ता समूहों में सबसे प्रमुख है। बी20 आर्थिक वृद्धि और विकास में तेजी लाने के लिए कार्य करने योग्य ठोस नीति की सिफारिशें करता है। यह तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन 25 अगस्त से शुरू हुआ है। इसमें करीब 55 देशों से 1,500 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

पीएम मोदी ने की यूपी की तारीफ, सुनकर मंत्रमुग्ध हुए सीएम योगी

एजेन्सी

लखनऊ। पीएम नरेंद्र मोदी के 104वीं मन की बात से सीएम योगी आदित्यनाथ मंत्रमुग्ध हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के जरिए रविवार को एकबार फिर देश को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम ने उत्तर प्रदेश से संबंधित कई उपलब्धियों का जिक्र किया,जिसे सुनकर सीएम योगी आदित्यनाथ मंत्रमुग्ध हो गए। सीएम ने अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर शेयर करते हुए पीएम का आभार व्यक्त किया।बीजेपी नेता अपर्णा यादव बिष्ट ने भी पीएम की मन की बात को सुनकर उनके विचारों को आम लोगों के बीच ले जाने की बात कही। मन की बात कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित हुए जी–20 सम्मेलन में 800 स्कूलों के 1.25 लाख विद्यार्थियों की भागीदारी से बने विश्व रिकॉर्ड की आज मन की बात कार्यक्रम में सराहना की है।कार्यक्रमों के प्रति नई पीढ़ी की यह रुचि और उनमें उसकी सहभागिता देश के विकास का प्रतिबिंब है। सीएम ने कहा कि वैश्विक पटल पर मां भारती को गौरवभूषित करते हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक जीतने वाली प्रदेश की बेटियां प्रगति और प्रियंका देश का गौरव हैं। प्रधानमंत्री द्वारा आज मन की बात कार्यक्रम में इन बेटियों के उल्लेख से लाखों युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने डेयरी सेक्टर को नई ऊंचाइयां प्रदान की है।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा श्वाराणसी मिल्क यूनियन के माध्यम से वाराणसी सहित आसपास के क्षेत्र के अन्नदाता किसानों के जीवन में आई समृद्धि और उनकी आय में निरंतर हो रही वृद्धि का उल्लेख इसका प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने किया बीजेपी के शंखनाद अभियान का शुभारंभ

एजेन्सी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आईटी और सोशल मीडिया विभाग की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में सम्पन्न हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में हुई। कार्यशाला में भाजपा के "शंखनाद अभियान" का भी उद्घोष हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को "शंखनाद अभियान" की कार्यशाला में भाजपा सोशल मीडिया टीम से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने के लिए विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों का भरपूर उपयोग करने के लिए कई टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि विरोधी दल के किसी भी झूठ का जवाब योजना के लाभार्थियों के जरिये दिलाएं।

इससे न सिर्फ विरोधियों के झूठ का पर्दाफाश होगा, बल्कि इससे उन्हें मुंहतोड़ जवाब भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नकारात्मक सूचनाओं का सही समय पर जवाब देना जरूरी है।सही और तार्किक जवाब दें, भाषाई मर्यादा का भी विशेष ध्यान रखें। योजनाओं की जानकारी रखें। इस समय विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं है। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरे विश्व में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। इस नये भारत की ताकत आज हर कोई महसूस कर रहा है। एक ओर हम आजादी के अमृत काल को मना रहे हैं तो वहीं भारत के सामर्थ्य का प्रदर्शन दुनिया भी देख रही है।

चंद्रमा पर लौटने के लिए धरती पर देशों के बीच एक बार फिर क्यों शुरू हुई रेस

एजेन्सी

नयी दिल्ली। चंद्रमा पर मानव जाति की बड़ी छलांग के लगभग 50 साल बाद चंद्रमा की सतह पर लौटने के लिए नए सिरे से रुचि पैदा हुई है। पानी और ऑक्सीजन, लोहा, सिलिकॉन, हाइड्रोजन और टाइटेनियम जैसे तत्वों की बढ़ी हुई उपलब्धता चंद्रमा पर लौटने का लक्ष्य रखने वाले वैज्ञानिकों के लिए प्रमुख आकर्षण रहे हैं। साथ ही यह अन्य अंतरग्रही मिशनों के लिए प्रवेश द्वार भी प्रदान कर सकता है। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि क्षुद्रग्रह प्रभाव या महामारी जैसी वैश्विक आपदा की स्थिति में चंद्र चौकी सभ्यता के लिए बैकअप के रूप में काम कर सकती है। वर्तमान में तीन देशों–भारत (एक), अमेरिका (चार), दक्षिण कोरिया (एक) के लगभग छह अंतरिक्ष मिशन चंद्रमा की कक्षा में घूम रहे हैं। चंद्रमा की भूमध्य रेखा के करीब अंतरिक्ष यान पहले सफलतापूर्वक उतर चुके थे। अब भारत के चंद्रयान –3 ने पहली बार उसके दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर इतिहास रचा है। इसका मुख्य कारण असमान भूभाग और सूर्य की रोशनी न होना के कारण लैंडिंग में मुश्किल होना है। दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी के सामने नहीं है इसलिए वहां अंतरिक्ष यान से संचार स्थापित करना भी मुश्किल है।

रूस का लूना लैंडर मिशन, जिसके चंद्रयान–3 के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की उम्मीद थी, 20 अगस्त को प्रीलैंडिंग कक्षा में प्रवेश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

जापान, अमेरिका, इजराइल, चीन और रूस जैसे देश जल्द ही चंद्रमा पर कक्षीय और लैंडर मिशन शुरू करने की संभावना रखते हैं। आईआईटी जोधपुर के भौतिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीतांजलि मोहना ने आईएएनएस को बताया, ष्चंद्रमा का दक्षिणी भाग वैज्ञानिकों के लिए विशेष रुचि का विषय है क्योंकि इसके चारों ओर स्थायी रूप से दिखाई देने वाले क्षेत्रों में पानी की बर्फ होती है। अत्यधिक विपरीत परिस्थितियाँ इसे पृथ्वीवासियों के लिए उतरने, रहने, काम करने के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थान बनाती हैं, लेकिन अद्वितीय विशेषताएं आशाजनक हैं– अभूतपूर्व गहन अंतरिक्ष वैज्ञानिक खोजें जो हमें ब्रह्मांड में विस्थापन के बारे में जानने और सौर मंडल में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। अनंत टेक्नोलॉजीज (एटीएल) इंडिया के संस्थापक और सीएमडी डॉ. सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा, "चंद्रमा पर जाने का नंबर एक कारण यह है कि इससे हमें अन्य ग्रहों पर जाने में मदद मिलेगी। नंबर दो चंद्रमा पर हीलियम और लिथियम जैसी कुछ दुर्लभ धातुओं की प्रचुरता है जिसमें दुनिया भर के वैज्ञानिकों की रुचि है। चूंकि दुनिया भर में संसाधन कम हो रहे हैं।

बंगाल के दत्तपुकुर में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात की मौत, कई घायल

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के दत्तपुकुर में रविवार को एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है, क्योंकि विस्फोट में घायल लोगों में से कुछ की हालत बेहद गंभीर है।

पुलिस दावा कर रही है कि रिपोर्ट दर्ज होने तक मरने वालों की संख्या सात थी, लेकिन स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उन्होंने कम से कम 12 शवों को एम्बुलेंस में ले जाते और दुर्घटनास्थल से निकालते देखा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, विस्फोट रविवार सुबह करीब 9.30 बजे हुआ। विस्फोट इतना जोरदार था कि उस गोदाम की छत पूरी तरह उड़ गई जहां अवैध रूप से पटाखों का कच्चा माल रखा हुआ था। मरने वालों में कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। विस्फोटों के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया और उन्होंने आरोप लगाया कि पटाखा गोदाम स्थानीय पुलिस के सक्रिय समर्थन से काफी समय से अवैध रूप से चल रहा था। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि गोदाम के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के लिए बार–बार की गई शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। कुछ स्थानीय लोगों ने गोदाम मालिक के घर पर हमला करने का भी प्रयास किया। पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी के वहां पहुंचने के बाद, स्थानीय लोगों ने यह स्पष्टीकरण मांगते हुए विरोध करना शुरू कर दिया कि पुलिस इतने लंबे समय तक चुप क्यों थी। इस पर पुलिस और प्रदर्शनकारी जनता के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यह घटनाक्रम इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि पहले पूर्वी मिदनापुर और फिर दक्षिण 24 परगना जिले में अवैध पटाखा कारखानों में एक जैसे लगातार दो विस्फोटों से भी पुलिस की आंखें नहीं खुलीं। इस साल 16 मई को पूर्वी मिदनापुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए इसी तरह के विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई थी।

मतदाता वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों से भी कर सकते है मतदान

एजेन्सी

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार 354–घोसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन के लिये 05 सितम्बर, 2023 को होने वाले मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनीपहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत कर सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने बताया कि मतदाता वैकल्पिक फोटोपहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य

बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड,भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र राज्य सरकार लोकउपक्रम पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों विधायकों विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी यूडीआईडी कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत कर मतदान कर सकते है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने बताया कि एपिक के संबंध में लेखनअशुद्धि वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजरअंदाज कर देना चाहिये, बशर्ते निर्वाचक की पहचान ऐपिक से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है।

मप्र में दलित हत्या पर कांग्रेस हमलावर, आरोपी के मंत्री प्रतिनिधि होने का आरोप

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक दलित की हत्या ने सियासी रंग ले लिया है। कांग्रेस ने जांच दल भेजकर हत्या का आरोप भाजपा से जुड़े नेता के करीबी पर लगाया है तो वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने हत्या में शामिल आरोपी को मंत्री भूपेद्र सिंह का कृषि उपज मंडी प्रतिनिधि होने का आरोप लगा दिया। मामला सागर जिले के खुरई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरोदिया नोनागिर का है। यहां दलित युवक नितिन अहिरवार की पीट–पीट कर हत्या, इसके साथ ही नितिन की मां को भी पीटा गया और अभ्रदता की गई। कहा जा रहा है कि छेड़छाड़ के मामले में समझौता न करने के चलते यह घटना हुई। इस मामले के सामने आने पर मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने घटना की जांच के लिए कमेटी का गठन कर घटना स्थल पर वस्तुस्थिति को जानने के लिए समिति को भेजा। घटनास्थल पर पहुंची जांच समिति ने कमलनाथ से पीड़ितों की मोबाइल पर बात कराई। जांच दल के सदस्य अवनीश भार्गव तथा जांच दल के अध्यक्ष सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार और यहां के जिम्मेदार मंत्री भूपेंद्र सिंह की शह पर पूरे क्षेत्र में न केवल अनुसूचित जाति बल्कि आम पिछड़े गरीब और सामान्य वर्गों के बीच आतंक और भय का माहौल है। इसी के चलते मंत्री से जुड़े हुए दबंगों ने अनुसूचित जाति के युवक की पीट–पीट कर हत्या की और उसकी मां को भी निर्वस्त्र कर पीटने का शर्मनाक काम किया। कांग्रेस के जांच दल ने मांग की है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इन अपराधियों के साथ भी समान व्यवहार करते हुए इस घटना के दोषियों के मकानों पर बुलडोजर चलाकर गिराया जाए और उन्हें कड़े से कड़ा दंड देने की कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए। कांग्रेस की जांच समिति ने मृतक के परिजनों को एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता तथा परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की सरकार से मांग भी की है। कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा, मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक दलित युवक की पीट–पीट कर हत्या कर दी गई। गुंडों ने उसकी मां को भी नहीं बख्शा। सागर में संत रविदास मंदिर बनवाने का ढोंग रचने वाले प्रधानमंत्री जी मध्य प्रदेश में लगातार होते दलित व आदिवासी उत्पीड़न एवं अन्याय पर चूं तक नहीं करते। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री केवल कैमरे के सामने वंचितों के पैर धो कर अपना गुनाह छुपाने की कोशिश करते हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे का केसीआर पर बोला जोरदार हमला

एजेन्सी

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने में बमुश्किल तीन महीने बचे हैं। ऐसे में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने बड़े–बड़े वादों के साथ मतदाताओं के विभिन्न वर्गों को लुभाने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। किसानों, युवाओं और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों से कई वादे करने के बाद, पार्टी ने अब सत्ता में आने पर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए क्या–क्या योजनाएं हैं इसके बारे में बताया है। कांग्रेस पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के तहत विभिन्न वर्गों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से अधिक वित्तीय सहायता का वादा कर रही है। शनिवार शाम को चेवेल्ला में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

द्वारा संबोधित एक सार्वजनिक बैठक में एससी, एसटी घोषणा का अनावरण किया गया। इससे जाहिर है कि पार्टी मतदाताओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। खड़गे ने कहा कि तेलंगाना के लिए बहुत लोग लड़े, ये राज्य का बनना सिर्फ किसी एक की देन नहीं है, किसी एक आदमी ने बलिदान नहीं किया, तेलंगाना के सभी लोग तेलंगाना के लिए लड़े हैं। पर एक व्यक्ति ऐसा समझ रहा है कि उन्होंने सब कुछ किया। जो वादा केसीआर ने किया, वो वादा तो पूरा निभाया नहीं, इसलिए हम चेवेल्ला एससी एसटी घोषणा के तहत 12 प्वाइंट एजेंडा लाए हैं। हमारी सरकार आते ही वो पूरे 12 प्वाइंट को लागू करेंगे। हमने कर्नाटक में 5 वादे किए थे। सिर्फ 5 वादे नहीं किए, उनको अमल में ला रहे हैं और जो कांग्रेस कहती है, वो करके दिखाती है। अब हमारे वहां पर जो 5 वादे थे, एक–एक करके हम उसको निभा रहे हैं। केसीआर हमारी 26 पार्टियों वाले गठबंधन की एक मीटिंग के लिए नहीं आए। यहां तो अपने आप को धर्मनिरपेक्ष पार्टी बोलते हैं, लेकिन वहां भाजपा के साथ अंदर ही अंदर सांठगांठ करते हैं।

सम्पादकीय

किसानों के बेटों का धमाल

वर्ल्ड एथलैटिक्स चौम्पियनशिप में भारतीय गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा ने तो अपने अभियान का आगाज जोरदार ढंग से करते हुए पहले ही प्रयास में 88.77 मीटर की दूरी तय कर फाइनल में प्रवेश करध लिया। भाला फैंक में यह उनका सीजन का सर्वश्रेष्ठ और करियर का तीसरा बेस्ट थ्रो रहा। उनके साथ–साथ भारत के अन्य भाला फैंक एथलीट मनु बीपी ग्रुप ए में दूसरे प्रयास के बेस्ट थ्रो 81.31 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जबकि तीसरे एथलीट किशोर जेना ने 80.55 के बेस्ट थ्रो के बाद फाइनल में जगह बना ली। भारत के तीनों एथलीटों का एक साथ फाइनल में पहुंचना अपने आप में एक उपलब्धि है। नीरज चोपड़ा ने इसके साथ ही पैरिस ओलिम्पिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। भाला फैंक प्राचीन काल में अस्तित्व में है। पहले लोग शिकार आदि के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल किया करते थे लेकिन इसकी लोकप्रियता ने इसे एक अन्तर्राष्ट्रीय खेल के रूप में परिवर्तित कर दिया। आज जैवलिन थ्रो के नाम से इस खेल को ख्याप्ति प्राप्त है। भाला फैंक पुरुष इवैंट डिकेथलॉन कहा जाता है, जबकि महिला इवैंट को हैप्टथलॉन कहा जाता है।

भारत में भाला फैंक में नीरज चोपड़ा के विश्व नम्बर वन खिलाड़ी बनने के बाद देश के कई युवा इस खेल की ओर आकर्षित हुए। नीरज चोपड़ा ने टोकियो ओलिम्पिक्स 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जैवलिन थ्रो के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर धमाल कर दिया था। इसके बाद नीरज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत ने 121 साल पहले एथलैटिक्स में पहला पदक जीता था। इसके बाद नीरज चोपड़ा ने एथलैटिक्स में स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास में अपना नाम दर्ज किया, इसे संयोग मानिये या कुछ और। विश्व चौम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले तीनों ही एथलीट किसानों के बेटे हैं। नीरज चोपड़ा हरियाणा के चावल किसान के बेटे हैं। किशोर जेना ओडिशा के कॉफी की खेती करने वाले किसान के बेटे हैं। जबकि मनु बीपी भी कर्नाटक के कॉफी उत्पादक किसान के बेटे हैं। किशोर जेना और मनु बीपी का अब तक का जीवन खेतों में ही व्यतीत हुआ। उनकी सफलता का सफर नीरज की उपलब्धि के बाद ही शुरू हुआ। किशोर जेना ने संकल्प लिया था कि अगर नीरज ऐसा कर सकता है तो वैसा मैं भी कर सकता हूं। 2017 में उसने 72 मीटर का आंकड़ा छू लिया। सितम्बर 2021 में उसने पहली बार 76 मीटर को छुआ। फिर उसे राष्ट्रीय शिविर में जगह मिली। फिर कोच ने उनके साथ अथक परिश्रम किया और उसके प्रदर्शन में लगातार सुधार होता रहा। उसका उत्थान नहीं रुका क्योंकि उन्होंने इस साल पहले आयोजन में फिर से अपना प्रदर्शन बेहतर किया। जब उन्होंने 1 मार्च को बेल्लारी में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में 78.93 मीटर थ्रो किया। 19 दिन बाद, उन्होंने 80 मीटर की आंकड़ा तोड़ दिया जब उन्होंने त्रिवेन्द्रम में 81.05 मीटर इंडियन ग्रां प्री फेंकी। अगले तीन मुकाबलों में, वह 80 मीटर के निशान से आगे जाने में असफल रहे, लेकिन उन्होंने कोई आत्मविश्वास नहीं खोया और जून में राष्ट्रीय अन्तर्राज्यीय चौंपियनशिप में 82.87 मीटर के थ्रो के साथ धमाकेदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने श्रीलंकाई चौंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब उन्होंने पिछले महीने के अंत में 84.38 मीटर थ्रो करके प्रतियोगिता जीती और वर्ल्ड्स के लिए क्वालीफाई किया। यह इस साल दुनिया का 11वां और किसी भारतीय का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। कर्नाटक में पले–बढ़े मनु के पास तो प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधन या कोच नहीं थे। उसने तो विश्व रिकार्ड धारक जैन जेलेजनी के यू–ट्यूब वीडियो देखकर भाला फैंकने की टेक्नीक सीखी। आखिरकार वह भाग्यशाली हो गए जब उसने 2010 के राष्ट्रमंडल खेल के कांस्य पदक विजेता कांशीनाथ नायक की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने उसे ट्रेनिंग देना शुरू किया। मनु ने बाद में सारे संदेह दूर कर दिए और विश्व चौम्पियनशिप में इस बार मनु ने कमाल कर दिया। धन की कमी भी उसके सामने हमेशा संकट बनकर खड़ी रही लेकिन कहते हैं कि जज्बा और जुनून हो तो सब उपलब्धियां हासिल हो जाती हैं। 2021 तक तो मनु के पास विदेश यात्रा के लिए पासपोर्ट तक नहीं था। लेकिन अब कोई उनका रास्ता नहीं रोक सकता। इन एथलीटों ने इस धारणा को खंडित कर दिया है कि किसान का बेटा केवल खेती कर सकता है। अब यह तीनों ही भारतीय युवाओं के आदर्श और प्रेरणास्रोत बन गए हैं। इनसे और भारतीय प्रतिभाएं प्रेरित होंगी और सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी।

आज का राशि फल

मेष :– निकटस्थ सम्बन्धों पारदर्शी व कर्तव्यनिष्ठ बनें। सम्बन्धों के अनुकूल नैतिक मर्यादा का पालन करें। नाजुक सम्बन्धों मे छोटी–छोटी बातों को दिल से ना लगावें।

बृषभ :– महत्वाकांक्षा ऊंची प्रगति के लिए प्रेरित करेगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने के योग हैं। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन :– समान्य दिनर्चया के साथ व्यतीत हो रहे जीवन में उत्साह का अभाव। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढे.गी। मन को विचलित न होने दें।

कर्क :– भविष्य सम्बन्धी चिन्ताएं मन पर प्रभावी होंगी। परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को संजोने में केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण दायित्व मन पर दबाव बनाएंगे।

सिंह:– मधुरवाणी से सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ाएंगे जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। कन्यारू भावुकता ब्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहारिक बनें। किसी सम्बन्ध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना होगा।

तुला:– मन नये धनागम के युक्तियों पर केन्द्रित होगा। कार्य क्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। स्वास्य के प्रति सचेत रहें। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

वृश्चिक :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बनें। मन पर नियन्तण्रकरें और कर्तव्यनिष्ठ बनें। मन ढेर सारे पूर्वाग्रह से प्रभावित होगा। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

धनु :– कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। अभिभावकों से कुछ मतभेद की आशंका है। किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तेज।

मकर :– मन सुन्दर विचारों से सिंचित होगा। धार्मिक व पारम्परिक कायरे में मन केन्द्रित होगा। नये कायरे में संलग्नता से लाभ संभव। कोई सृजनात्मक कार्य सम्पादित होगा।

कुंभ :– मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। नई सफलता के आसार बनेंगे। शासन–सत्ता व राजकीय क्षेत्रों के लोग क्रियाशील होंगे।

मीन:– आकस्मिक ढेर सारे तनाव मन पर प्रभावी होंगे। निराशावादी बिचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक सम्बन्धों के भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनावें।

अमेरिका, रूस और चीन के आपसी टकराव

संजीव ठाकुर

अमेरिका ने चीन और ताइवान के संबंधों को लेकर ताइवान का खुलकर साथ देने की बात कही जिससे चीन ने आक्रामक होकर इसे अपने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप कहां है और कहा है कि यदि हमारे अंदरूनी मामले में कोई हस्तक्षेप करेगा तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरी तरफ यूक्रेन को लेकर रूस अब बहुत संवेदनशील और आक्रामक हो गया हैस यूक्रेन से रूस ने अब निर्णायक पारी खेलने का मन बना लिया हैस इस तरह अमेरिका यूक्रेन तथा ताइवान को साथ देने के चक्कर में रूस और चीन से सीधा–सीधा टकराने के मूड में आ गया है। यह अलग मुद्दा है की सांडो की लड़ाई में खेतों की मेढ़ बरबाद जरूर होती हैं। इन तीनों महा बलियों की लड़ाई में अन्य पड़ोसी देशों की शांती भंग हो सकती है। दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन पूरी तरह से यूक्रेन का साथ देने की कटिबद्ध है, एवं पूर्वी यूरोप में अमेरिकी राष्ट्रपति एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुस पर दबाव डालने के लिए सैन्य बल भेजने की बात कही हैस अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस वार्ता के हवाले अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस ने सीमा के आसपास बड़ी संख्या में सैन्य जमवाड़ा कर चुका है, एवं रूसी बलों को तैनात किया हैस जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास अन्य सैन्य बल तथा बातचीत के जरिए का विकल्प भी मौजूद हैस वर्तमान की परिस्थितियों में यूक्रेन की सीमा पर लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा कि रूस फरवरी या मार्च के प्रथम सप्ताह तक बड़ा हमला कर सकता हैस व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता एमिली होर्न ने बताया की अमेरिकी राष्ट्रपति ने आशंका जताई है कि रूस फरवरी में यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण कर सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लाएड ऑस्टिन ने कहा कि हमारा मानना है कि यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह अंतिम फैसला नहीं है, जबकि उनके पास कई विकल्प खुले हुए हैं। यूक्रेन पर हमला करने की निसंदेह रूस के पास संपूर्ण क्षमताएं हैं। अमरीकी प्रशासन राष्ट्रपति रक्षा मंत्री ने पुतिन से यूक्रेन पर तनाव कम करने की अपील भी की है। रूस ने कहा है कि वार्ता के द्वारा भी खुले हुए यदि यूक्रेन अपनी हठधर्मिता से पीछे हटता है तो रूस वार्ता के माध्यम से एक मध्य मार्ग के बारे में विचार कर सकता है। पर यूक्रेन अपनी तीनों शर्तों पर अड़ा हुआ वह क्रीमिया महाद्वीप को वापस लेना चाहता है और नाटो की सदस्यता भी चाहता है, रूस द्वारा पाइप लाइन बिछाकर उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर करना चाहता हैं जिसे वह कभी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं रहेगा। स्पष्ट है कि इस मामले में अमेरिका,ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर सैन्य बल की मदद करने को तैयार है। रूस के पास अब सैन्य बलों द्वारा यूक्रेन पर चढ़ाई करने के अलावा कोई मार्ग शेष नहीं रह जाता है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की यह आशंका कि रूस यूक्रेन पर फरवरी एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में बड़ा हमला कर सकता है निर्मूल नहीं है। अमेरिका ने निर्णय लिया है कि वह पूर्वी यूरोप के सीमा पर एक बड़ा सैन्य बल रूस को टक्कर देने के लिए भेजेगा ।संभवत यह रूस पर दबाव डालने के लिए एक कूटनीतिक घोषणा एवं चाल हो सकती है। कुल मिलाकर यूक्रेन की सीमा पर जिस तरह से सैनिकों का जमवाड़ा इकट्ठा हो गया है, उससे जंग की आशंकाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के आर्मी जनरल मार्क मिले ने यूक्रेन के निकट तैनात रूसी सेना गंभीर तस्वीर पेश की है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन की सीमा पर उसने जमीन, वायु, जल क्षेत्र में बलों की तैनाती कर दी है, साथ ही रूस के पास साइबर तथा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की क्षमताएं भी हैं। इसके अलावा उसके पास विशेष अभियान दल भी हैं। मिले के अनुसार यह अत्यंत चिंताजनक एवं विचारणीय प्रश्न है कि इसके पूर्व रूस की इतनी लंबी चौड़ी सेना की तैनाती कभी भी यूक्रेन की सीमा पर नहीं देखी गई है। इसका मतलब सीधा और साफ है कि रूस युद्ध के प्रति एकदम गंभीर है एवं यूक्रेन को सबक सिखाना चाहता है। पर इसे वैज्ञानिक विश्लेषक अधिनायकवाद इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाला बताते हैं, जिससे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ावा मिल सकता है, और विश्व युद्ध होता है तो बहुत बड़ा विनाशकारी युद्ध होने की पूरी संभावना है। मिले ने पुतिन से संघर्ष के बदले कूटनीतिक मार्ग अपनाने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास एक लाख से ज्यादा सैनिक तथा जमीन से जमीन मारक क्षमता वाले टैंक तथा लड़ाकू हवाई जहाज तैनात करके रखे हैं। ऐसे में यूक्रेन जैसे छोटे देश के पास अमेरिका ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देश और नाटो देश के सदस्यों से सैन्य दल लेने के अलावा कोई और रास्ता शेष नहीं बचा है। यह तो तय है कि अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के लिए कटिबद्ध है पर बदली हुई परिस्थितियों में यूक्रेन का साथ देने के लिए कहीं अमेरिका अलग–अलग ना पड़ जाए, इसके अलावा उसने चीन को इस मामले में दखल नहीं देने चेतावनी भी दी है। फिलहाल चीन ताइवान मामले में अमेरिका के सीधा सामने है। क्योंकि अमेरिका ताइवान को भी मदद करने का वादा कर चुका है, ऐसे में अमेरिका को कई तरफ अपनी सेनाएं भेजने का काम करना होगा। कुल मिलाकर यूक्रेन, रूस,चीन, ताइवान को लेकर वैश्विक स्तर पर अशांति का माहौल बना हुआ है। कूटनीतिक बातचीत कर इसका हल निकाल कर वैश्विक शांति का संदेश देना चाहिए।

ब्रिक्स का बढ़ता कारवा और भारत

प्रेम शर्मा

ब्रिक्स में शामिल पांचों देश दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालाकि चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। दक्षिण अफ्रीका में जो ब्रिक्स का समिट हुआ, वह काफी सफल रहा है। भारत हमेशा से ही इसके विस्तार की बात करता रहा है। इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार कह चुके है कि भारत विस्तार के विरोध में नहीं है। भारत सिर्फ ये चाहता है कि विस्तार से जुड़े हर पहलू पर सदस्य देशों के बीच विचारों का आदान–प्रदान हो और सहमति बनने से पहले सबकी चिंताओं और कूटनीतिक पहलुओं को महत्व दिया जाए। ब्रिक्स के सदस्य विस्तार के मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं के साथ ही मार्गदर्शक सिद्धांतों को निर्धारित करने के लिए आपस में अलग–अलग तरीकों से बात कर रहे हैं। विस्तार से कई पहलू जुड़े हैं। भारत का फोकस इस पर है। भारत का कहना है कि जो मौजूदा सदस्य है, उनके बीच के आपसी सहयोग को भी विस्तार के बारे में कोई भी सिद्धांत बनाने में सोचना होगा। एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है. इस समूह के देशों का गैर ब्रिक्स देशों को लेकर कैसा रवैया रहा है या जुड़ाव रहा है। ब्रिक्स के संभावित विस्तार के प्रारूप में किसी देश के निजी हितों को प्राथमिकता न मिले, भारत का मुख्य जोर इस पर है। भारत बस यहीं चाहता है कि विस्तार में किसी भी देश का व्यक्तिगत एजेंडा स्वीकार नहीं किया जाएगा और भारत की इस मंशा से विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही सदस्य देशों को अवगत करा चुके हैं। उस वक्त भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भी स्पष्ट किया था कि विस्तार को लेकर जब तक कोई उपयोगी दस्तावेज या प्रक्रिया पर सर्वसम्मति नहीं बन जाती है, तब तक इस दिशा में आगे नहीं बढ़ जाएगा। जून में विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका ने कहा भी था कि सालाना शिखर सम्मेलन तक विस्तार से जुड़ी कोई प्रक्रिया या नीति तैयार हो जाती है, तो फिर उस पर विचार किया जाएगा। इस मसले पर ब्राजील भी भारत की बातों का पुरजोर समर्थन करते आया है। ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा कह चुके हैं कि ब्रिक्स ब्रांड बन चुका है और ये सदस्य देशों की एक बड़ी संपत्ति है। इस वजह से ब्राजील भी चाहता है कि संभावित विस्तार में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए। विस्तार में किसी खास देश के सिर्फ इस वजह से शामिल नहीं किया जाए कि उस देश के साथ रूस या चीन के संबंध कितने गहरे हैं। भारत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के लिए ये बड़ा मुद्दा है। हालियॉ सम्पन्न ब्रिक्स देशों के महासम्मलेन से यह सिद्ध हो गया कि ब्रिक्स के प्रति कई देशों का आकर्षण बढ़ा है। इसमें कोई दो राय नहीं है। चीन और रूस का ब्रिक्स के विस्तार पर काफी जोर है। ब्रिक्स प्लस की अवधारणा बहुत तेजी से विकसित हो रही है, चीन इस पहलू पर जोर दे रहा है। रूस का भी कहना है कि ये समूह बहुध्रुवीयता का प्रतीक बन चुका है और इसका प्रमाण ये हैं कि ज्यादा से ज्यादा देशों का आकर्षण ब्रिक्स के प्रति बढ़ रहा है। भारत का भी ये मानना है कि ब्रिक्स अब विकल्प नहीं रहा। ये समूह अब वैश्विक व्यवस्था में खघस महत्व रखता है। भारत भी यही मानता आया है कि ब्रिक्स समूह बहुध्रुवीयता का प्रतीक है। भारत का ये भी कहना है कि ब्रिक्स अब अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के कई तरीकों की अभिव्यक्ति भी करता है और वैश्विक एजेंडा पर नेतृत्व करने की भी क्षमता है। फिलहाल सिर्फ 5 देशों के सदस्य होने के बावजूद ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। लैंड एरिया कवरेज के हिसाब से इस समूह में दुनिया का करीब 27 फीसदी लैंड सरफेस आ जाता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में इन देशों का एक बड़ा हिस्सा है। ब्रिक्स देशों का हिस्सा वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में करीब 30 प्रतिशत है। ब्रिक्स की ताकत को बताने के लिए ये आंकड़े काफी हैं। जिस तरह से ब्रिक्स को लेकर बाकी मुल्कों में दिलचस्पी बढ़ते जा रही है, ये कहा जा सकता है कि ब्रिक्स समूह का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। जबकि एक दौर ऐसा भी आया था जब ब्रिक्स की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठने लगे थे। लेकिन पिछले दो साल में जिस तरह से कई देशों ने ब्रिक्स की सदस्यता को लेकर इच्छा जाहिर की है।

कहा जा सकता है कि भविष्य में ब्रिक्स दुनिया का सबसे ताकतवर मंच बन सकता है। फिलहाल ब्रिक्स में शामिल सदस्य वो देश हैं जिनमें वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल होने पर भी घरेलू अर्थव्यवस्था को संभालने और उसमें विकास की गति बनाए रखने की क्षमता और संभावनाएं भी है। साथ ही वैश्विक मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी संभालने की ताकत है। यही वजह है कि तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगले 3 दशक में ब्रिक्स के मौजूदा सदस्य देश दुनिया में कच्चे माल, उद्योग, विनिर्माण और सेवाओं के सबसे प्रमुख आपूर्तिकर्ता होंगे। भारत और चीन की स्थिति उद्योग, विनिर्माण और सेवाओं के आपूर्ति के मामले में काफी मजबूत है और भविष्य में इसमें और मजबूती आएगी। वहीं कच्चे माल को लेकर रूस और ब्राजील का भविष्य उज्ज्वल है। साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों– ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका– के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य– अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई– जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। 2009 में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी 2010 में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब–तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। एक तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। हालांकि चीन सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री समय समय पर इसका सीधा जबाव वैश्विक स्तर पर दे चुके है। वैसे भी जिस तरह से वर्तमान में विदेश नीति पर केन्द्र सरकार काम कर रही है वह बेजोड़ है। बहरहाल ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। हालांकि इसके बावजूद इस फैसले में निहित चुनौतियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। एक तरफ यह आशंका है कि इन नए सदस्यों में से कई देशों के साथ अपनी करीबी की बदौलत चीन इस मंच पर अपना दबदबा बढ़ाने का प्रयास कर सकता है तो दूसरी तरफ कुछ हलकों में यह संदेह भी है कि चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के प्रभाव में इसे पश्चिमी देशों के खिलाफ एक मंच के रूप में इस्तेमाल न किया जाने लगे। इन आशंकाओं और संदेहों के बीच सभी देशों के हितों में सामंजस्य स्थापित करते हुए बेहतर विश्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस मंच को निश्चित रूप से ज्यादा परिपक्व और दूरदर्शितापूर्ण नजरिया अपनाना होगा।

हिन्दू न मुसलमान पहले इंसान

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली संभाग के खुब्बुपुर गांव के एक प्राइमरी स्कूल के सात वर्षीय छात्र के साथ उसकी अध्यापिका ने जिस तरह का व्यवहार केवल इसलिए किया कि वह मुसलमान था, उससे न केवल पूरे भारत का सिर शर्म से झुक गया है बल्कि सम्पूर्ण शिक्षक समाज का रुतबा भी जमीन में गड़ गया है। अभी सितम्बर महीना आने वाला है और इसी महीने में भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति व महान दार्शनिक सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन का जन्म दिवस देश के हर स्कूल में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। जाहिर तौर पर इस बार के शिक्षक दिवस पर हर शिक्षक की गर्दन को झुका देने का काम खुब्बुपुर की शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने अपने कारनामे से कर डाला है। मगर क्या यह सब अचानक हो गया है? लोकतन्त्र में राजनीति जीवन के हर स्तर को भीतर तक प्रभावित करती है क्योंकि व्यक्ति व समाज के हर पहलू को प्रभावित करने वाले अन्तिम निर्णय नीचे से लेकर ऊपर तक राजनैतिक नेतृत्व द्वारा ही लिये जाते हैं। अतः राजनीति का जो चरित्र होगा वही ऊपर से लेकर नीचे तक समाज व लोगों को शीशे में उतारने में सक्षम होगा। इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक गांव के प्राइमरी स्कूल की यह घटना बताती है कि आज के दौर की राजनीति ने आम लोगों के दिलों में घृणा या ‘नफरत का फास्फोरस’ किस कदर भर डाला है।

हर बात में हिन्दू–मुसलमान की राजनीति ने सामान्य व्यक्ति की मानसिकता को इस तरह अपने चंगुल में ले लिया है कि विद्यालयों में जाने वाले आदमी की औलादों को भी उनका मजहब देखकर सजाएं दी जा रही हैं। लानत है ऐसे स्कूल पर और ऐसा स्कूल चलाने वालों पर जिन्होंने शिक्षा के संस्थानों को साम्प्रदायिकता का अड्डा बना डाला है। शिशु हृदय में शुरू से ही यह भरा जा रहा है कि मुसलमान माता–पिता के घर में पैदा होने की वजह से उसके साथ के दूसरे विद्यार्थी उसके साथ अलग तरह से व्यवहार करेंगे तथा उसे पहाड़ा याद न होने अथवा गणित में कमजोर होने की सजा कक्षा के सभी दूसरे छात्र पहले उसे थप्पड़ मार कर देंगे और जब उसका मुंह लाल हो जायेगा तो उसकी कमर पर मारेंगे। अपनी ही कक्षा के छात्रों से ऐसा कार्य कराने वाली अध्यापिका को सबसे पहले पुलिस प्रशासन को पकड़ कर जेल भेजा जाना चाहिए और उसके खिलाफ फौजदारी सजा जाब्ता कानून की वे सभी दफाएं लगाई जानी चाहिएं जो साम्प्रदायिक द्वेष भड़काने व बच्चों को हिंसक बनाने से ताल्लुक रखती हों साथ ही राज्य सरकार को सबसे पहले प्राथमिक कार्रवाई करके उसे नेहा प्राथमिक स्कूल की मान्यता समाप्त करनी चाहिए जिसकी मालिक और संचालिका व मुख्य अध्यापिका तृप्ति त्यागी है। यह घटना सामान्य नहीं है क्योंकि स्वतन्त्र भारत के इतिहास में किसी प्राथमिक स्तर के विद्यालय में इस तरह की घटना पिछले 76 सालों में कहीं भी दर्ज नहीं हुई है। इसी से पता लग सकता है कि आज के भारत के समाज को राजनीति ने किस तरह नफरत की आग में झोंक डाला है और हम ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ का राग अलापते फिर रहे हैं। जरा कोई पूछे कि क्या स्कूल का वह मुस्लिम छात्र खुदा के घर अर्जी देकर आया था कि या अल्लाह मुझे किसी मुसलमान के घर ही पैदा करना।“ वह भारत के एक सम्मानित नागरिक के घर पैदा हुआ और इस नाते इस मुल्क की हर सुविधा पर भी उसका भी उतना ही अधिकार है जितना कि किसी हिन्दू के घर पैदा हुई औलाद का। किसी विद्यालय या स्कूल को उत्तर प्रदेश सरकार यह देख कर मान्यता नहीं देती है कि इसमें हिन्दुओं के बच्चे पढ़ाएंगे या मुसलमानों के बल्कि यह देख कर मान्यता देती है कि इसमें भारत के नागरिकों के बच्चे पढ़ेंगे। क्या जरूरी है कि किसी मुसलमान का बच्चा ही पढाई में कमजोर हो। पढ़ाई में कमजोर तो किसी हिन्दू का बच्चा भी हो सकता है। क्या उसमें फिर हम उसकी जाति को देखेंगे कि वह अगड़ी जाति का है या पिछड़ी जाति का शिक्षा का अधिकार भारत में किशोर वय तक मौलिक अधिकार बन चुका है। हर हिन्दू–मुसलमान बच्चे का हक है कि वह शिक्षा प्राप्त करे। मगर क्या कयामत है कि पहले तो शिक्षा के स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम के नाम पर मुनाफा कमाने की दुकानों में तब्दील कर दिया गया है और अब उनमें हिन्दू–मुसलमान का जहर भरा जा रहा है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि हम हिन्दोस्तान की उस बुनियाद में ही दीमक लगा रहे हैं जिसे हमने 1947 में आजाद होने के बाद बड़ी मुश्किल से हिन्दू–मुस्लिम की संकीर्णता से बाहर इस हकीकत के बावजूद रखा था कि मजहब के आधार पर ही मुहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान बनवा लिया था। हमने भारत को ऐसे संविधान के तहत चलाने की कसम उठाई जिसमें हिन्दू–मुसलमान नहीं बल्कि ‘भारत के लोग’ थे । इन्हीं लोगों ने 75 वर्षों में भारत को चांद पर पहुंचा दिया मगर क्या सितम है कि हम अब प्राइमरी स्कूल में इन्हीं बच्चों को सिखा रहे हैं कि तुम हिन्दू और मुसलमान हो।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश उन स्व. चौधरी चरण सिंह की कर्मस्थली रही है जिनका पूरा जीवन ही इस क्षेत्र के गांवों के रहने वाले हर किसान, मजदूर और दस्तकार की राजनैतिक व सांस्कृतिक एकता के लिए समर्पित रहा चाहे उनका धर्म अलग–अलग ही क्यों न रहा हो। अतः यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस क्षेत्र के लोग अपनी महान सांस्कृतिक एकता के धागों से बन्धे रहेंगे और खुब्बूपुर की यह घटना एक अपवाद बनकर ही सिमटी रहेगी। मोहब्बत से ही इस इलाके को जाना जाता है इसीलिए यहां का ‘गुड़’ पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यहां के लोगों की और शिफ्त है।“जमीन पर पांव जमा कर चल तू सूरज से आंख मिला कर चल तू।”

ऑपरेशन कायाकल्प के तहत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 3 परिषदीय विद्यालयों को एमएलसी निधि से किया संतृप्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित परिषदीय विद्यालयों को विद्युत संयोजन से किया गया संतृप्त मुख्य विकास अधिकारी सिलम साई तेजा द्वारा निर्गत निर्देश के अनुपालन में शासन द्वारा संचालित योजना '"ऑपरेशन कायाकल्प"' के अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित –जौनपुर के परिषदीय विद्यालयों को 19 पैरामीटर पर संतृप्त किये जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरख नाथ पटेल के कुशल नेतृत्व मे विकास खण्ड मे कार्यरत खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारियों से सामंजस्य बनाकर कार्य किया गया है। निरूशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत विद्यालयो मे अध्ययनरत छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराये जाने हेतु विद्यालयों मे भौतिक रूप से विद्युत संयोजन किया जाना अनिवार्य है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कुल 205 परिषदीय विद्यालय, जिनकी निकटतम विद्युत पोल से दूरी 40 मीटर से अधिक है, विद्युत संयोजन विहीन है। विद्युत संयोजन विहीन विद्यालयों द्वारा शासन द्वारा संचालित "झटपट योजना" के अन्तर्गत आवेदन किये जाने के उपरांत भी विद्युतीकरण हेतु विद्युत विभाग से आगणित धनराशि की मांग की गयी है ,जो अद्यतन अप्राप्त है। बीएसए द्वारा बृजेश सिंह "प्रिंशू",विधान परिषद सदस्य, उत्तर प्रदेश से विद्युत संयोजन विहीन विद्यालयों को विद्युत संयोजन से संतृप्त किये जाने हेतु किये गये अनुरोध के क्रम मे सदस्य द्वारा विद्युत संयोजन विहीन कुछ विद्यालयों को अपने निधि से विद्युत संयोजन से संतृप्त कराने की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिसका शुभारम्भ सदस्य द्वारा 28 अगस्त, 2023 को प्राथमिक विद्यालय गोनापार, विकास खण्ड–सिकरारा, जनपद–जौनपुर मे आयोजित शिक्षा चौपाल मे विकास खण्ड सिकरारा के 3 परिषदीय विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय टिकरी, उच्च प्राथमिक विद्यालय शेरवां अहिरान व प्राथमिक विद्यालय गोनापार) , बक्शा के 2 परिषदीय विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय दादूपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय दोनई) एवं करंजाकला के 1 परिषदीय विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय मोमिनपुर) को विद्युत संयोजन से संतृप्त किये जाने हेतु विद्युत विभाग जौनपुर को अपने निधि से निधि निर्गत करते हुए विद्युत विभाग जौनपुर को आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।' प्राथमिक विद्यालय बोनापुर, विकास खण्ड–सिकरारा, जनपद–जौनपुर मे आयोजित शिक्षा चौपाल मे सदस्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जौनपुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। बीएसए द्वारा सदस्य द्वारा किये जा रहे लोक कल्याणकारी कार्य हेतु सराहना करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

G२० लीडरशीप समिट/मूव फॉर अर्थ के सपोर्ट में साइकिल रैली का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट) के अंतर्गत ळ20 लीडरशिप समिट के समर्थन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'' थीम के साथ वैश्विक विश्वव्यापी साइकिल यात्रा का आयोजन करने के क्रम में ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति सिंगरामऊ द्वारा भी मूव फॉर अर्थ मिशन को सपोर्ट करते हुए साइकिल राइड का आयोजन किया गया थानाध्यक्ष सिंगरामऊ कमलेश कनौजिया तथा संस्था प्रमुख डॉ.अंजू सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर राइड को ठाकुरबाड़ी मुख्यालय गौरीशंकर मंदिर से रवाना किया गया जो सिंगरामऊ बाजार का भ्रमण करते हुए राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय तक जाकर समाप्त हुई स रैली में संस्था परिसर में संचालित यू.पी. एस.डी.एम. के करीब 70 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें छात्राओं की संख्या ज्यादा थी स ठाकुरबाड़ी के प्रांगण में एक संगोष्ठी के माध्यम से इस भूमंडलीय साइकिल राइड के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया स जिसमें 600 देश भाग ले रहें हैं स कार्यक्रम को श्रीमती ममता पाण्डेय जिला कार्यक्रम प्रबंधक यू.पी.एस.डी.एम., महीप पाण्डेय, आदर्श दुबे, आदि ने संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय तिवारी जी ने किया स अंत में सभी प्रतिभागियों को साइकिल राइड का प्रमाण पत्र वितरण किया गया स इस अवसर पर संस्था के सभी कार्यकर्ता सत्यजीत मौर्य, लालमनि मिश्र, रमाशंकर बिन्द, मंजू सिंह, शीला देवी, कबूतर देवी, आशुतोष शुक्ला आदि उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद द्वारा भारत संकल्प दिवस का कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषदध राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वाधान में अखंड भारत संकल्प दिवस का कार्यक्रम कोठवा मथुरापुर एक निजी विद्यालय पर संपन्न हुआ जिसके प्रबंधक प्रमोद दुबे है।कार्यक्रम का संचालन पवन राय जिला महामंत्री अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने किया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में तरुन शुक्ला प्रांतीय महामंत्री अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम आज देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने के लिए निकले हैं। हिंदू समाज को एकत्रित कर उनके जोड़ने का कार्य संगठन द्वारा किया जा रहा है।भारत के अखंडता की परिकल्पना लेकर आज अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद पूरे भारतवर्ष में जगह–जगह अपने कार्यक्रम करके पूरे भारत को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। भारतवर्ष को हजारों वर्ष से मुगलों,अंग्रेजो द्वारा 23 बार बटवारा हुआ। अंतिम 24 बटवारा 14 अगस्त 1947 अर्धरात्रि को किया गया। पृथ्वी के सात दीप खंडों में एक दीप जम्मू दीप है जिसके अंतर्गत आने वाले क्षेत्र भारतवर्ष है जिसे हम आर्यावर्त के नाम से जानते है। आज तक में जहा कई बार बांटा गया। देश का अन्तिम बंटवारा धर्म के नाम पर 14अगस्त 1947 को किया गया। जो देश का सबसे बड़ा और भीभत्स बटवारा हुआ। हिंदुस्तान और पाकिस्तान से नाम के दो देशों का निर्माण हुआ। आज कैंसर के ख्यातिलब्ध डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया अध्यक्षध संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की जो नींव डाली अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद की जिसके तत्वाधान में हम सभी पूरे देशवासियों को जगाने का कार्य कर रहे हैं और हम अखंडता की परिकल्पना लेकर के पूरे देश में दीप से दीप जलने का संकल्प लेते हैं।उक्त अवसर पर प्रभाकर तिवारी प्रांतीय उपाध्यक्ष हिंदू एडवोकेट फॉर्म राकेश श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष चंद्र प्रकाश तिवारी विभाग महामंत्री कृष्ण दत्त दुबे कुंवर जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान परिषद अजय पांडे ए जिला अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद सहित जिला व विभाग के कई पदाधिकारी कार्यकर्ता अश्वनी सिंह,अवनीशसिंह,अरुणपांडे,बृजभान सिंह, इंद्रसेन दुबे,मनोज सरोज,दिनेश कुमार,अखिलेश, महेंद्र प्रताप सिंह का एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

निष्पादन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में निष्पादन समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में बसूही नदी के डी–सिल्टिंग का कार्य, तटों के सुदृढीकरण एवं बसुही नदी व वरुणा नदी के संगम के 100 मीटर पूर्व कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड के निर्माण कार्य की गति को तीव्र कर समयसीमा के भीतर पूर्ण करने तथा नदी के तटों पर वन विभाग द्वारा पौधरोपण किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

इस अवसर पर प्रदूषण अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी सामाजिक वानिकी प्रभाग, एक्सईएन सिंचाई विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रिफ्यूज कमपैक्ट वाहनों को नपा अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर पालिका परिषद जौनपुर को शासन द्वारा 15वां वित्तध स्वच्छ भारत मिशन आयोग निधि के अन्तर्गत उपलब्ध करायी गयी धनराशि से नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने हेतु क्रय किये गये 2 अदद टाटा ट्रक डम्फर व 3 अदद रिफ्यूज कमपैक्ट वाहनों को नगर की दैनिक सफाई कार्यों हेतु जनहित में पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या द्वारा हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियोंध्कर्मचारियों तथा जनता द्वारा अच्छी उपलब्धि बताते हुए पालिका अध्यक्ष की प्रशंसा की गयी। पालिका के उपनगर आयुक्तध्अधिशासी अधिकारी पवन कुमार व सफाई निरीक्षक हरिश्चन्द्र यादव व अन्य उपस्थित कर्मचारियों एवं लोगो द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर पालिका के कार्यालय अधीक्षक अनिल कुमार यादव, स्टोर लिपिक मनोज यादव, अन्य कर्मचारीगण तथा सम्भ्रान्त नागरिक व पत्रकार बन्धु आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी उत्तराखंड द्वारा आयोजित की गई राज्य स्तरीय नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी उत्तराखंड द्वारा आयोजित की गई राज्य स्तरीय नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता जिसमें नैनीताल हल्द्वानी सितारगंज खटीमा बनबसा टनकपुर के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया सीनियर गायन में गुफरान अली विद्यांशु विश्वकर्मा और आनंद क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे ।जूनियर गायन बॉलीवुड में अभिनव चौड़ाकोटी प्रतीक जोशी और क्रिस्टल बत्रा क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर डांस में मनीषा उपाध्याय हिमांशी रावत और रश्मि पथ क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर डांस में श्रेया गौरव भूमिका प्रथम द्वितीय महक और अनिल संयुक्त रूप से तृतीय रहे।शास्त्री गायन जूनियर में हार्दिक खर्कवाल आराध्य भट्ट अनन्या पुजारी प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। इससे पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री निर्मल महरा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया उन्होंने वाहिनी के कार्यों की सराहना करते हुए बच्चों को पुरस्कृत किया । वहिनीी के राष्ट्रीय सचिव प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि लगभग 100 से अधिक बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और अपनी कला का प्रदर्शन किया उन्होंने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद प्रेषित किया कार्यक्रम में माननीय वन मंत्री श्री कैलाश गहतोड़ी जी के प्रतिनिधि पंकज कुमार सांसद प्रतिनिधि संजय जोशी भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट थाना अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह जगवान ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष बलवीर प्रजापति नगर पालिका के नामित सभासद संजय ठाकुर ग्लोरियस एकेडमी के प्रबंधक रविंद्र पाण्डेय ललित वर्मा जीवन सिंह नेगी मनीष श्रीवास्तव त्रिलोचन जोशी हरीश पाण्डेय उमेद सिंह नेगी जिला पंचायत सदस्य किरण देवी भुवन चंद्र भट्ट नरेंद्र कुमार गोयल कपिल भार्गव महेश चंद्र मुरारी भावना नेगी रमाकांत वर्मा इफ्तिखार हुसैन वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश चंद्र भट्ट वाहिनी के संरक्षक विजय अग्रवाल जिला अध्यक्ष अभिषेक गोयल कार्यक्रम प्रभारी विक्की कापड़ी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज कापड़ी धर्मेंद्र पाल संदीप कुमार गौरव कापड़ी अमित जोशी गौ प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका नृत्य में प्रियंका जोशी सूची अग्रवाल प्रेरणा सक्सेना कल्पना कन्याल और आशीष रहे गायन में निर्णायक गिरीश जोशी अनिल पालीवाल बासु भाई मनीषा गोस्वामी रहे। वाहिनी के जिला अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 40 लोगों को वहिनीी ने उत्कृष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया साथ ही बनबसा में कार्य करने वाली सभी आशा कार्यकर्ती बहनों को भी सम्मानित किया गया।

जेसीआई सप्ताह की चेयरपर्सन मीरा अग्रहरि बनाई गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना कार्यकारिणी की एक अति आवश्यक बैठक शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष सोनी जायसवाल ने किया संस्था अध्यक्ष ने सभी पूर्व अध्यक्ष और सदस्यों का स्वागत किया तथा आने वाले सितंबर माह में 9 से 15 सितंबर तक चलने वाले जेसीआई सप्ताह ऐतिहासिक बनाने के लिए एक जेसीआई सप्ताह चेयरपर्सन को नियुक्त करने की बात कही सभी पूर्व अध्यक्ष गणों से विचार विमर्श के बाद संस्था की सचिव मीरा अग्रहरि को जेसीआई सप्ताह का चेयरपर्सन बनाने पर सभी सदस्यों के साथ सभी पूर्व अध्यक्ष में सहमति बनी निवर्तमान अध्यक्ष अभिलाषा श्रीवास्तव ने चेयरपर्सन को माला पहनाकर 2023 का जैथरा जेसीआई सप्ताह ऐतिहासिक होगा ऐसी बधाई दी, फाउंडर प्रेसिडेंट मेघना रस्तोगी ने कहा कि इस वर्ष का जैथरा जेसीआई सप्ताह बहुत विशेष होगा ऐसा उम्मीद करती हूं जहां भी मेरी आवश्यकता होगी मैं उपस्थित मिलूंगी, पूर्वअध्यक्ष नीतू गुप्ता, पूर्वअध्यक्ष चारू शर्मा, पूर्वअध्यक्ष कल्पना केसरवानी, पूर्वअध्यक्ष मधुरानी गुप्ता,पूर्वअध्यक्ष रीता कश्यप ने नवनियुक्त चेयरपर्सन को माल्यार्पण करते हुए बधाई दिया और उम्मीद जताया कि इस जैथरा जेसीआई सप्ताह को बहुत उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा संस्था के सभी सदस्य इस उत्साह में सम्मिलित होते हुए।

कसेरवा गांव के मुसहर एक बूंद पानी पीने के लिए तरस रहे हैं, जौनपुर जिले में मुशहरों की बदतर स्थित, जज सिंह अन्ना पहुंचे मुसहर बस्ती

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

जौनपुर। मछली शहर ब्लॉक की कसेरवा गांव में जज सिंह अन्ना और चिकित्सा विभाग का कसेरवा मुसहर बस्ती में दौरा हुआ। कसेरवा पीएचसी के पीछे सघन आबादी वाले 20 घरों में एक बूंद भी पानी पीने के लिए नहीं है एक हैंड पाइप पुराना लगा हुआ है हैंन्ड पाइप घंटे चलने पर किसी तरह एक बाल्टी पानी निकलता है यह मुसहर अपनी आबादी से 700 मीटर दूर पीएचसी से या गांव से पानी लाते हैं इनकी जर्जर स्थित किसी भी समय भयानक दुर्घटना का कारण हो सकती है सभी मुसहरों के 20आवास फटे हुए हैं छत से पानी झमाझम घर में गिरता है आवास में दरवाजे खिड़की नहीं है थर्ड क्वालिटी के ईट से आवास बना हुआ है आधार कार्ड मुसहरों के पास नहीं है राशन कार्ड अल्प मात्रा में है मनरेगा में बहुत कम नाम इन मुसहरों के लिखे गए हैं इस तरह महिला मुसहिन तो बहुत बदतर जिंदगी जी रही है जज सिंह अन्ना ने उप जिलाधिकारी मछली शहर से बात करने पर उप जिलाधिकारी ने कहा कि हम एक हैंड पाइप दे देंगे लेकिन अब यह समय बताया कि मिलेगा या नहीं इस तरह पूरे जनपद जौनपुर में मुशहरों की बदतर स्थित है मुशायर बस्ती में कोई सांसद, विधायक, एमएलसी, हैंन्डपाइप शौरलाइट नहीं देते हैं पैसे के अभाव में यह जिला कार्यालय या उप जिलाधिकारी कार्यालय में नहीं दौड़ पाते हैं मुसहर बस्ती में आकस्मिक दुर्घटना होने पर ही जिला प्रशासन जगाता है अन्यथा उत्तर प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी जौनपुर, सभी उप जिलाधिकारी ,बिडियों से अपील है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए मुसहर जातियों की भलाई के लिए स्पेशल बैच मुसहर बस्तियों में दौड़ाई जाए और समस्याएं दूर किया जाए।

हर हर महादेव के जयकारे से गूंजा श्री गौरीशंकर धाम

भोर से ही लगी रही लंबी कतार

सुजानगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के श्री गौरीशंकर धाम सुजानगंज पर श्रावण मास के अंतिम शोमवार के दिन स्थानीय लोगों के साथ साथ कांवरियों की भी भीड़ रही।भोर से ही स्थानीय लोगों ने जलाभिषेख करना शुरू कर दिया। शिव भक्तो की लंबी कतारें देखने को मिला और सी सी टी वी कैमरे से पूरे मंदिर परिसर की निगरानी की जा रही थी।अंतिम शोमवार को देखते हुए दूर दराज से भी भक्तगण आकर सुबह से ही लाइन में खड़े होकर अपने बारी का इंतजार करते हुए भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चन किया. पूरा क्षेत्र हर हर महादेव भोलेनाथ के जयकारों से गूंजायमांन रहा। वहीं पर थानाध्यक्ष सैयद हुसैन मुन्तजर ने बताया कि पूरे सावन मास और अधिक मास में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे जिसमें स्थानीय लोगों की मदद एवं मंदिर प्रबंधक सुधीर तिवारी तथा पत्रकार साथियों के निगरानी में सकुशल श्रावण मास का मेला समाप्त हुआ.

अयोध्या में शिवालयों में भक्तों का जनसैलाब,लाखों भक्तों ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

अयोध्या। सावन के अंतिम सोमवार को राम नगरी के शिवालयों ने भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक कर दर्शन पूजन किया। तड़के 3 बजे से ही सरयू नदी में स्नान कर श्रद्धालु द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक नागेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। इसके अलावा धर्म नगरी के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक कर रहे हैं। एक लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैश्रद्धालु सावन के आखिरी सोमवार के मौके पर राम नगरी पहुंचे हैं। सरयू स्नान कर दर्शन पूजन कर रहे हैं। जिला प्रशासन छोटी–छोटी संख्या में श्रद्धालुओं के जत्थे को दर्शन के लिए छोड़ रहा है। नागेश्वरनाथ मंदिर में विशेष इंतजाम भी किए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं की भीड़ ना लगे। श्रद्धालुओं को मुख्य गेट से अंदर लाकर जलाभिषेक करा कर पीछे के रास्ते से निकाला जा रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था भी चाक चौबंद है। सुबह से ही राम की नगरी भोलेनाथ के जयकारों से गूंज है।मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ को सावन का महीना सबसे प्रिय है और सावन के सोमवार पर दर्शन पूजन का विशेष महत्व है। सावन के सोमवार पर जलाभिषेक और पूजन करने से भगवान मनोवांछित फल देते हैं। भोलेनाथ को खुश करने के लिए यह महीना सबसे अच्छा माना जाता है और सावन माह में की गई भगवान शंकर की पूजा से विशेष पुण्य–लाभ भी मिलते हैं। भगवान राम के पुत्र राजा कुश ने नागेश्वर नाथ मंदिर की स्थापना की थी।

अयोध्या कैंट के पंचमुखी महादेव मंदिर, क्षीरेश्वर नाथ मंदिर, कोटेश्वर नाथ, नर्वदेश्वर नाथ समेत विभिन्न शिवालों में भक्त सुबह से जलाभिषेक कर रहे है। गायत्री शक्तिपीठ में सामूहिक रुद्राभिषेक आयोजित किया गया। इसके अलावा विभिन्न मंदिरों घरों में भक्त सुबह से ही रुद्राभिषेक कर रहे है।

खरीद न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत होगी 01 अक्टूबर, 2023 से प्रारंभ

अयोध्या।सम्भागीय खाद्य नियंत्रण अयोध्या सम्भाग अयोध्या ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023–24 में खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अयोध्या मण्डल के जनपद अमेठी, अयोध्या व सुल्तानपुर में अब ज्वार की भी खरीद न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत की जायेगी।जो दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 से प्रारम्भ होगी।इसके लिए जनपद सुल्तानपुर में चार क्रय केन्द्र (दूबेपुर प्रथम, मंडी –प्रथम, कादीपुर व लम्भुआ), जनपद अमेठी में तीन क्रय केन्द्र (जगदीशपुर, शुकुल बाजार व अमेठी) एवं जनपद अयोध्या में तीन क्रय केन्द्र (मसौधा ए‍ट नवीन मंडी अयोध्या, अमानीगंज व पटरंगा–मवई) खोला जाना प्रस्तावित है। ज्वार खरीद हेतु किसानों का पंजीकरण प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने बताया कि किसान बन्धु खाद्य विभाग की वेबसाइट ीजजचेरूध्धबि.नच.हवअ. पद पर जाकर स्वयं या अपने किसी नजदीकी जन सेवा केंद्र के माध्यम से ज्वार विक्रय हेतु पंजीकरण करा सकते हैं।

समाजसेवियों व अयोध्या पुलिस 90 वर्षीय गुमशुदा बुड्ढी मां को परिजन से मिलाया

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) भगवान राम की नगरी अयोध्या में सरजू घाटों से लेकर के पूरी अयोध्या क्षेत्र में गुमशुदा की पोस्टर लगे हुए होते हैं समाजसेवी गोसेवक रितेश दास व तैराक कविराज दास अक्सर दोनों समाजसेवी जगह–जगह पर लगे हुए गुमशुदा के पोस्टर को अक्सर पढ़ करके चेहरा देखकर अपने मोबाइल मे फोटो खींच लेते हैं उसके बाद समाजसेवियों ने अक्सर रात में सरयू पुल से लेकर के रामपैडी राम जन्मभूमि जहां भी कोई लावारिस व्यक्ति पड़ा रहता है उनसे पूछताछ करते हैं और मोबाइल में गुमशुदा के जो फोटो होता है उसे मिलान करते हैं अगर कोई व्यक्ति फोटो के माध्यम से पहचान होता है तो समाजसेवी अयोध्या पुलिस को सूचना देकर के परिवार जनों को परिवार से मिलते हैं।

बी.एड. एक मात्र कोर्स नही वरन चयन होने के आधारभूत तैयारी का काम करता है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। शिक्षक समाज का दर्पण होता है क्योंकि शिक्षक के गोद में सृजन और विनाश दोनो पलते हैं। यदि परमहंस रामकृष्ण , समर्थ रामदास, चाणक्य जैसे सद्गुरु शिष्य को मिल जाय तो विवेकानंद, शिवाजी ,और चन्द्रगुप्त जैसे व्यक्तित्व का निर्माण कर काल और समाज को नयी दिशा प्रदान करते है।

उक्त उद्बोधन डॉ.त्रिमल सिंह ने डॉ.राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई के बी.एड. विभाग के बच्चो के मध्य कहे। डॉ. सिंह ने कहा कि महाविद्यालय के बच्चो की तैयारी प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु तैयार किये गये अभिलेखो को देखकर मन प्रसन्न है कि इतनी मेहनत और सिद्दत से बच्चो ने तैयारी की है ।

इस अवसर डॉ.शशिकान्त पाण्डेय ने कहा कि महाविद्यालय के बी.एड विभाग के विगत नौ वर्षो से अनवरत सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण हो रहे उसका कारण योग्य शिक्षको का कुशल मार्गदर्शन और बच्चो का अथक परिश्रम ही है ।

महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ.सुशील चन्द्र त्रिवेदी मधुपेश संकल्पना के अनुसार बी.एड. विभाग लगातर सरकारी और गैरसरकारी संस्थानो मे चयनित होकर हमे गौरवान्वित कर रहे है । इस महाविद्यालय का बी.एड. एक मात्र कोर्स नही वरन चयन होने के आधारभूत तैयारी का काम करता है जिसके परिणामस्वरूप स्वरूप जनपद सर्वाधिक चयन इसी महाविद्यालय के बच्चो के होते आये है।

इस अवसर पर डा विवेक बाजपेई, आनन्द विशारद, मेघा गुप्ता,सुमन कुशवाहा, मुकेश कुमार, शिवम शुक्ला आदि शिक्षक गण उपस्थित रहे।

जीआरपी के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

अयोध्या। सोमवार को जीआरपी ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर जेल भेजा।बताते चलें कि इस समय सावन झूला के चलते एसपी रेलवे लखनऊ पूजा यादव के निर्देश पर ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर चोरी लूटध्जहर खुरानी की घटनाओं की रोकथाम व इनामियाध्वांछित वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। उसी अभियान के तहत सीओ रेलवे संजीव कुमार सिन्हा के कुशल पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अयोध्या कैन्ट के पप्पू यादव द्वारा गठित टीम में शामिल अशोक कुमार पाठक चौकी प्रभारी जीआरपी अयोध्या ने प्लेटफार्म नंबर एक पश्चिमी छोर अयोध्या जंक्शन बोर्ड के पास बनी सीमेन्ट की सीट के पास से एक शातिर चोर को हिरासत में लिया।पुलिस ने उसकी पहचान अशोक यादव पुत्र राम नेवल यादव निवासी–काजीपुर चितावा आशिफ बाग थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या के रुप में किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपी अशोक यादव ने बताया कि तीन चार माह पूर्व भगत की कोठी ट्रेन के स्लीपर कोच से महिला यात्री का मोबाइल पैसा व अन्य सामान चोरी कर लिया था जो बरामद हुआ है।

श्रावण में शिवोपासना सभी की मनोकामनाओं को पूर्ण करती है: आचार्य अशोक

हरदोई। शिव सत्संग मण्डल आश्रम हुसेनापुर धौकल स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर में श्रावण उत्सव के अवसर पर आचार्य अशोक ने कहा कि श्रावण में शिवोपासना सभी की मनोकामनाओं को पूर्ण करती है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिव समस्त जगत के मूल हैं।शिव के साकार और निराकार दोनों ही रूपों में पूजा की जाती है।

उनका कहना था कि प्रातः जल्दी उठकर स्नान के बाद भक्ति भाव और विधि–विधान से भगवान शिव का पूजन एवं अभिषेक करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं,उन्हें किसी तरह का कोई भय नहीं रहता है। भगवान शिव का अभिषेक करना विशेष रूप से लाभदायक होता है।

बताया कि सोमवार का व्रत करने से पूरे परिवार को सुख–समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है। जिनको क्रोध अधिक आता हो, तनाव में रहते हों, मानसिक रोग हों और स्वास्थ्य से भी कमजोर हों, उनके लिए शिव आराधना शुभ फलदायक होती है।शिव ही सर्वेसर्वा देवता हैं। शिव के शिवत्व की आराधना, अर्चना का आशय लोक की आराधना का है इसलिए अपने लोक के संरक्षक शिव अपने आप में लोक ही हैं।

कहा कि श्रुति का अर्थ वेद होता है। प्राचीन काल में वेद नित्य श्रवण किए जाते थे लेकिन शनैरू–शनैरू उनका सुनना कम हो गया तब यह निर्णय लिया गया कि इन्हें केवल वर्षाकाल में सुना जाए इसलिए इस काल में पड़ने वाले मास का नाम श्रावण हुआ। इस मास को नभस के नाम से भी संबोधित किया जाता है जो बादल का पर्याय है। इसीलिए वर्षा ऋतु श्रावण की ऋतु मानी जाती है। कहा जाता है कि इसके माहात्म्य के श्रवण मात्र से सिद्धि प्राप्त होती है इसलिए भी यह श्रावण कहलाता है।श्रावण का एक अर्थ प्रसन्न करना भी होता है।

कहा कि भोलेनाथ की आराधना का मास सावन महीना जहां एक ओर आस्था के महापर्व मास के रुप मे जाना जाता है, वहीं विविध आयामों के स्थापना मसलन देश की आजादी का पर्व, पवित्र प्रेम की परिचायक रक्षाबंधन एवं स्नेह पर्व की प्रतीक भोजली उत्सव के रुप मे भी सावन मास की पहचान है।

जटपुरा गांव के पंडित कृष्णमोहन त्रिवेदी द्वारा शिव मंत्रोच्चार के साथ कराए गए रुद्राभिषेक में मित्र परिवार के संयोजक अनुराग श्रीवास्तव,शिव सत्संग मण्डल के प्रचारक प्रेम कुमार, डॉ. तेज राम , मुर्खानंद, यमुना प्रसाद,राम निवास, सोनपाल, राम लखन,रजनीश सक्सेना, अनूप पांडेय, श्याम अवस्थी, गोपाल त्रिपाठी,रिंकू, ध्रुव तिवारी, सत्यम सक्सेना, प्रभाकर बाजपेयी,वेद प्रकाश सक्सेना, सुषमा सक्सेना, नमिता रानी सक्सेना, गुड़िया,संगीता, मधु, छवि सक्सेना, अनमोल यादव, योगेन्द्र यादव,अनुज कुमार मिश्र, बजरंगवली सिंह, अजय कुमार गुप्ता, रामानंद अग्निहोत्री आदि सहित अनेक साधक मौजूद रहे।

श्री रामलीला नाट्य कला मंदिर इस वर्ष धार्मिक आदर्शों के आधार पर करेगी लीलाओं का मंचन: चौधरी उमेश गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर की एक आवश्यक बैठक आज घूंघट मैरिज हाल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक विनोद प्रकाश गुप्ता द्वारा की गई। मेला कमेटी की बैठक में आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत करने के बाद कमेटी में सर्वसम्मत से कुछ आमूल चूल परिवर्तन किए गए। बैठक का शुभारंभ मेला कमेटी के अध्यक्ष चौधरी उमेश गुप्ता के वक्तव्य से हुआ। उन्होंने कहा कि श्री रामलीला नाट्य कला मंदिर इस वर्ष धार्मिक आदर्शों के आधार पर लीलाओं का मंचन करेगी।

तत्पश्चात कोषाध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने पिछले वर्ष के आय और व्यय का बजट प्रस्तुत किया जिसमें मेला कमेटी को लगभग ध्50000 की बचत हुई। तत्पश्चात मेला कमेटी के संस्थापक राजेश वर्मा की संस्तुति के बाद कमेटी के अध्यक्ष चौधरी उमेश गुप्ता ने श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर चौक का नाम बदलकर श्री रामलीला नाट्य कला मंदिर कमेटी चौक करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मत से ध्वनिमति के साथ पारित किया गया। इस बार मेला आयोजन में बजट ज्यादा होने की संभावना व्यक्त की गई। बैठक में अयोध्या की रामलीला कमेटी मंडल पार्टी से रामलीला मंचन करने का निर्णय लिया गया। समिति द्वारा बताया गया कई पार्टियों से रामलीला मंचन की बातचीत चल रही है लेकिन अभी बात फाइनल नहीं हो पाई है। जल्द ही इस पर मोहर लग जाएगी। कुछ सदस्यों ने रामलीला की शोभायात्रा अल्लाहपुर तिराहा से निकालने की मांग रखी परंतु सरकार की गाइडलाइन के अनुसार परमिशन न दिए जाने की बात सामने आई। इस पर कुछ सदस्यों ने कहा प्रशासन से नए रूट पर शोभायात्रा निकालने के लिए स्वीकृत को लेकर बात की जाएगी। अगर परमिशन मिल जाती है तो अल्लाहपुर तिराहा से शोभा यात्रा का प्रदर्शन संभव हो सकता है। बैठक में मेला कमेटी में अतुल गुप्ता, गौरव सूरी, विशाल गुप्ता, वेदराम राजपूत, रामचंद्र गुप्ता आदि नए सदस्यों को जोड़ा गया। इस बार 51 वीं रामलीला के सफल मंचन को लेकर बैठक में मौजूद सभी पदाधिकारी और सदस्यों में उत्साह दिखा। सभी ने तन मन धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया। बैठक में संजय मिश्रा, डॉ मुरारी लाल गुप्ता, अभय सिंह, मनीष रस्तोगी, ज्ञानेंद्र अवस्थी, विनोद प्रकाश गुप्ता, मनोज राठौर, रामचंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

प्रथम दिवस हेल्पलाईन नम्बर पर आया हुआ पहला कॉल जे डी माध्यमिक द्वारा ही रिसीव किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जे डी माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन व मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ.दिनेश कुमार के निर्देशन में हेलो इंसपायर हेल्पलाईन के प्रथम दिन दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक जारी है,प्रथम दिवस हेल्पलाईन नम्बर पर आया हुआ पहला कॉल जे डी माध्यमिक द्वारा ही रिसीव किया गया जिसमें शिक्षक द्वारा अपने स्कूल की यूजर नेम पासवर्ड खो जाने की समस्या बताई जिसको डॉ दिनेश कुमार द्वारा समाधान बताया गया,हेल्पलाईन में लगातार प्रदेश के करीब 20 जनपदों हरदोई,खीरी,इटावा लखनऊ उन्नाव गोंडा प्रयागराज उन्नाव सीतापुर पीलीभीत बरेली गोरखपुर बस्ती सिद्धार्थनगर बलरामपुर से लगातार कॉल आ रहे हैं। ज्यादातर कॉल यूजर नेम पासवर्ड खो जाने की समस्याओं को बताया जा रहा है जिसको एक– एक कर निदान बताया जा रहा है।

हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित किए बिना देश की सभ्यता व संस्कृति सुरक्षित नहीं

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित किए बिना देश की सभ्यता व संस्कृति सुरक्षित नहीं उक्त वक्तव्य आज श्रृंगारहाट अयोध्या स्थित रघुनाथ भवन वैद जी के मंदिर में हिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थान की बैठक की अध्यक्षता करते हुए समाज सेवी सत्यदेव मिश्रा ने व्यक्त किया,उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी ही हमारे सनातन धर्म व संस्कृति की संवाहक है, संस्थान के उपाध्यक्ष विंध्यवासिनी शरण पांडिया ने कहा कि आगामी 14 सितंबर हिंदी दिवस के पावन पर्व पर संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय नयाघाट अयोध्या में संगोष्ठी, सम्मान समारोह व सांस्कृतिक आयोजन किए गए हैं जिसमें आप लोग पूरी सहभागिता निभाईये। बैठक का संचालन करते हुए संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ0 सम्राट अशोक मौर्य ने आए हुए सभी साहित्य प्रेमियों का आभार प्रकट होते हुए अपील की कि आगामी 14 सितम्बर के कार्यक्रम को तन मन धन से जुट कर सफल बनावें जिससे अयोध्या की धरती से देश को एक सशक्त संदेश जाए और हिंदी देश की राष्ट्रभाषा व विश्व की संपर्क भाषा बन सके, जिससे हमारी संस्कृति और सभ्यता सुरक्षित रह सके।

जनपद मे कड़ी सुरक्षा के मध्य चल रहा सावन मेला व कांवड़ यात्रा, हर तरफ सुरक्षा पर विशेष ध्यान।

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अयोध्या राजकरन नय्यर के निर्देशन मे, सावन मेला व कांवड़ यात्रा के मद्देनजर श्रद्धालुगणों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकारीध्कर्मचारीगणों की टीम बनाकर सभी संवेदनशील स्थानों पर ड्युटी तैनात की गयी हैं, ड्युटी प्वाइंट पर तैनात सभी पुलिस कर्मियों द्वारा सतर्कता पूर्वक ड्युटी सम्पादित की जा रही है, कांवड़ियों के मदद के लिए पुलिस बूथ लगाये गये हैं। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अधिकारीगणों द्वारा पुलिस कर्मियों को किया जा रहा ब्रीफ।

अयोध्या में १५ जनवरी से चलेगा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, लाखों श्रद्धालुओं के भोजन और ठहरने की व्यवस्था करेगा ट्रस्ट

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि परिसर में बन रहे भव्य और दिव्य राम मंदिर के प्रथम तल के निर्माण के साथ ही भूतल और प्रथम तल पर फिनिशिंग का काम भी दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। शुक्रवार से शुरू हुई दो दिवसीय भवन निर्माण समिति की बैठक में जनवरी में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों पर चर्चा हुई। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कई सत्रों में हुई बैठक में दिसंबर 2023 तक अनिवार्य रूप से कराए जाने वाले कामों की प्राथमिकताओं पर विमर्श कर सूचीबद्ध किया गया। इन्हें पूरा कराए जाने में आने वाली कठिनाइयों और निदान पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा प्राण प्रतिष्ठा समारोह 15 जनवरी से शुरू करने पर भी मुहर लगी। जिसमें श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन प्रबंधन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

श्रीराम जन्मभूमि में निर्माणाधीन दिव्य मंदिर में विराजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव 15 जनवरी 2024 से शुरू होगा। तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपत राय ने बताया कि यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था का प्रबंध किया जा रहा है, जिससे भगवान के दरबार में कोई भूखा न रहे जाए । यह व्यवस्था 15 जनवरी से 15 फरवरी 2024 तक के लिए होगी। जाड़े के दिन देखते हुए हर बिंदु पर विचार किया जा रहा है ताकि किसी को दिक्कत न उठानी पड़े। भवन निर्माण समिति समिति की बैठक के निष्कर्षों को लेकर तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने बताया कि भूतल के फर्श निर्माण की प्राथमिकता को ध्यान में रखकर स्तम्भों पर आइकोनोग्राफी की चित्रकारी के काम को धीमा करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि गर्भगृह के द्वार पर उत्तर व दक्षिण में क्रमश हनुमान जी व गणेश जी का स्थान और उनकी साइज भी निर्धारित कर दी गयी है। बताया गया कि इस बैठक में स्तम्भों पर चल रही आइकोनोग्राफी के अतिरिक्त अन्य भित्तिचित्रों के निर्माण के विषय में विमर्श के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के फाइनल आर्ट के प्रोफेसरों की टीम को आमंत्रित किया गया था। इस टीम के साथ भी आवश्यक चर्चा की गयी। बैठक में भित्ति चित्रों को बनाने के लिए कलाकारों की टीम को चयनित करने और उनका मार्गदर्शन करने की भी सलाह दी गई। जो कि आरसीसी होगी और उसके ऊपर बंसी पहाड़पुर के पिंक सैंड स्टोन की क्लेडिंग की जाएगी। फुटपाथ के दोनों किनारे बनेंगे प्रतीक स्तम्भ इसके साथ ही जन्मभूमि पथ के शुरुआत में फुटपाथ के दोनों किनारों पर प्रतीक स्तंभ बनाने की योजना पर भी काम शुरू करने की तैयारी हो गयी है। इस योजना की कार्यदाई संस्था राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक अनूप शुक्ल ने बताया कि दोनों प्रोजेक्ट की लागत करीब 11 करोड़ है। उन्होंने बताया कि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय से लेकर बैगेज स्कैनर के मध्य 190 मीटर लंबे शेड का निर्माण किया जाना है जो कि स्टील फैब्रिकेटेड होगा और सिंगल पोल पर रेलवे स्टेशन के यात्री शेड की तरह ही बनाया जाएगा। इसी तरह से गर्भगृह के द्वार पर हनुमान जी व गणेश जी के विग्रह होंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी व भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र की ओर से निर्माणाधीन दिव्य मंदिर के अतिरिक्त इससे संदर्भित परियोजनाओं की धीमी प्रगति को लेकर लगाए प्रश्न चिह्न उठाया। बैठक के अंत में रामलला के विग्रह व मंदिर के दरवाजों के निर्माण की प्रगति जानने के लिए स्थलीय सत्यापन किया। इसके पहले उन्होंने जिले के आला अधिकारियों के साथ पहले सुरक्षा व्यवस्था जिसमें बैगेज स्कैनर इत्यादि के इंस्टॉलेशन पर चर्चा की। पुन हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, अयोध्या प्रवेश के द्वारों पर गेट के साथ यात्री सुविधा केंद्रों इत्यादि के निर्माण के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार, एसएसपी आरके नैय्यर, नगर आयुक्त विशाल सिंह एवं एसपी सुरक्षा पंकज कुमार ने जानकारी दी। इस बैठक में न्यासी डॉ.अनिल मिश्र, अयोध्या नरेश विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र व मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव मौजूद रहे।

15 जनवरी से चलेगा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

लाखों श्रद्धालुओं के भोजन और ठहरने की व्यवस्था करेगा ट्रस्ट

अयोध्या।श्रीराम जन्मभूमि परिसर में बन रहे भव्य और दिव्य राम मंदिर के प्रथम तल के निर्माण के साथ ही भूतल और प्रथम तल पर फिनिशिंग का काम भी दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। शुक्रवार से शुरू हुई दो दिवसीय भवन निर्माण समिति की बैठक में जनवरी में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों पर चर्चा हुई।ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कई सत्रों में हुई बैठक में दिसंबर 2023 तक अनिवार्य रूप से कराए जाने वाले कामों की प्राथमिकताओं पर विमर्श कर सूचीबद्ध किया गया। इन्हें पूरा कराए जाने में आने वाली कठिनाइयों और निदान पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा प्राण प्रतिष्ठा समारोह 15 जनवरी से शुरू करने पर भी मुहर लगी। जिसमें श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन प्रबंधन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।श्रीराम जन्मभूमि में निर्माणाधीन दिव्य मंदिर में विराजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव 15 जनवरी 2024 से शुरू होगा।तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपत राय ने बताया कि यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था का प्रबंध किया जा रहा है, जिससे भगवान के दरबार में कोई भूखा न रहे जाए । यह व्यवस्था 15 जनवरी से 15 फरवरी 2024 तक के लिए होगी। जाड़े के दिन देखते हुए हर बिंदु पर विचार किया जा रहा है ताकि किसी को दिक्कत न उठानी पड़े।भवन निर्माण समिति समिति की बैठक के निष्कर्षों को लेकर तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने बताया कि भूतल के फर्श निर्माण की प्राथमिकता को ध्यान में रखकर स्तम्भों पर आइकोनोग्राफी की चित्रकारी के काम को धीमा करने का निर्णय लिया गया है।उन्होंने बताया कि गर्भगृह के द्वार पर उत्तर व दक्षिण में क्रमश हनुमान जी व गणेश जी का स्थान और उनकी साइज भी निर्धारित कर दी गयी है। बताया गया कि इस बैठक में स्तम्भों पर चल रही आइकोनो ग्राफी के अतिरिक्त अन्य भित्तिचित्रों के निर्माण के विषय में विमर्श के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के फाइनल आर्ट के प्रोफेसरों की टीम को आमंत्रित किया गया था। इस टीम के साथ भी आवश्यक चर्चा की गयी। बैठक में भित्ति चित्रों को बनाने के लिए कलाकारों की टीम को चयनित करने और उनका मार्गदर्शन करने की भी सलाह दी गई। जो कि आरसीसी होगी और उसके ऊपर बंसी पहाड़पुर के पिंक सैंड स्टोन की क्लेडिंग की जाएगी।फुटपाथ के दोनों किनारे बनेंगे प्रतीक स्तम्भ इसके साथ ही जन्मभूमि पथ के शुरुआत में फुटपाथ के दोनों किनारों पर प्रतीक स्तंभ बनाने की योजना पर भी काम शुरू करने की तैयारी हो गयी है। इस योजना की कार्यदाई संस्था राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक अनूप शुक्ल ने बताया कि दोनों प्रोजेक्ट की लागत करीब 11 करोड़ है।उन्होंने बताया कि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय से लेकर बैगेज स्कैनर के मध्य 190 मीटर लंबे शेड का निर्माण किया जाना है जो कि स्टील फैब्रिकेटेड होगा और सिंगल पोल पर रेलवे स्टेशन के यात्री शेड की तरह ही बनाया जाएगा। इसी तरह से गर्भगृह के द्वार पर हनुमान जी व गणेश जी के विग्रह होंगे।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी व भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र की ओर से निर्माणाधीन दिव्य मंदिर के अतिरिक्त इससे संदर्भित परियोजनाओं की धीमी प्रगति को लेकर लगाए प्रश्न चिह्न उठाया। बैठक के अंत में रामलला के विग्रह व मंदिर के दरवाजों के निर्माण की प्रगति जानने के लिए स्थलीय सत्यापन किया। इसके पहले उन्होंने जिले के आला अधिकारियों के साथ पहले सुरक्षा व्यवस्था जिसमें बैगेज स्कैनर इत्यादि के इंस्टॉलेशन पर चर्चा की। पुन हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, रिंग रोड, अयोध्या प्रवेश के द्वारों पर गेट के साथ यात्री सुविधा केंद्रों इत्यादि के निर्माण के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार, एसएसपी आरके नैय्यर, नगर आयुक्त विशाल सिंह एवं एसपी सुरक्षा पंकज कुमार ने जानकारी दी। इस बैठक में न्यासी डॉ.अनिल मिश्र, अयोध्या नरेश विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र व मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव मौजूद रहे।

गोसाईंगंज विधायक अभय सिंह नें किया आल्हा कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन

अयोध्या।जिले के गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र स्थित बैंती कला ग्राम सभा में भव्य आल्हा कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह द्वारा विधायक अभय सिन्हा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया,कार्यक्रम का संचालन अनिरुद्ध मौर्य द्वारा किया गया।कार्यक्रम आयोजन पाटेश्वरी सिंह व सुरजीत सिंह द्वारा ग्राम वासियों की तरफ से विधायक अभय सिंह का जोरदार स्वागत किया गया कार्यक्रम में विधायक अभय सिंह सामान्य व्यक्ति की तरह आम जनता में घुल मिल गये और उनका हाल जाना। कार्यक्रम में संचालक द्वारा क्षेत्र में सड़कों के निर्माण की विधायक द्वारा स्वीकृत के संबंध में उपस्थित समूह को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम आयोजन पाटेश्वरी सिंह व सुरजीत सिंह ने उपस्थित जैन समूह को धन्यवाद कर कार्यक्रम का समापन किया।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों को शब्द साधक बनना होगा: अवनीश मिश्र

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सोमवार को प्रिंट मीडिया में भाषा की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता साहिबाद, गाजियाबाद के ब्यूरों चीफ अवनीश कुमार मिश्र रहे।उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता में एक–एक शब्द महत्वपूर्ण है। इसके लिए विद्यार्थियों को शब्द साधक बनना होगा। कार्यक्रम में अवनीश ने कहा कि एक पत्रकार को हमेशा साक्ष्यों को आधार बनाकर खबर लिखना चाहिए। इससे खबरों में मजबूती मिलती है और समाज में पत्रकार की अलग पहचान बनती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रतिदिन अखबार जरूर पढ़ना चाहिए। इसके साथ ही साहित्य का अध्ययन बहुत जरूरी है।

मकान, दुकान, मंदिर व मस्जिद समेत इंटर कॉलेज व पशु चिकित्सालय तक बना लिए, स्टेशन अधीक्षक ने आरपीएफ अकबरपुर को पत्र लिखकर की मुकदमा दर्ज करने की मांग।

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज रेलवे स्टेशन के आसपास रेल लाइन के दोनों ओर सैकड़ों बीघा जमीन पर लोगों ने कब्जा कर मकान, दुकान, होटल और स्कूल तक बनवा लिए हैं। इसी भूमि पर राजकीय इंटर कॉलेज, पशु चिकित्सालय, मंदिर और मस्जिद भी बने हैं। 23 अगस्त को रेलवे व जिला प्रशासन की टीम ने जब जमीन की पैमाइश की तब जाकर इसका खुलासा हुआ।इसके बाद स्टेशन अधीक्षक ने आरपीएफ अकबरपुर को पत्र लिखकर सभी अवैध कब्जेदारों के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए कहा है।रेलवे के अधिकारियों की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम ने नगर के द्य पश्चिम रेलवे क्रॉसिंग से लेकर पूर्वी रेलवे – क्रॉसिंग तक पैमाइश की।इस दौरान पता चला कि महबूबगंज गोसाईगंज जोड़ने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग कागजों में तो 18 मीटर दर्ज है, जबकि मौके पर आठ मीटर ही है। वहीं, अमसिन से गोसाईगंज बस अड्डे को जोड़ने वाला मार्ग 24 मीटर है, लेकिन मौके पर 10 मीटर ही 1 रेलवे के कब्जे में है। सूत्र बताते हैं कि रेलवे की 25 फीसदी जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जा कर अपना निर्माण कर लिया है। पैमाइश के दौरान पता चला कि रेलवे की भूमि पर लगभग 200 से ज्यादा लोगों ने मकान बना लिया है। अवैध कब्जेदारी का यह खेल कई दशक पूर्व से चल रहा है। यही नहीं, रेलवे लाइन के किनारे बसे लोग भी रेलवे की सौ मीटर की चौड़ाई में कई किमी. तक कब्जा कर वहां खेती आदि कर रहे हैं।पैमाइश के दौरान पता चला कि रेलवे की भूमि पर लगभग 200 से ज्यादा लोगों ने मकान बना लिया है। साथ ही तमाम होटल, दुकान भी बने हुए हैं। यही नहीं सैकड़ों किसान इसी भूमि पर खेती भी कर रहे हैं। यहीं नहीं इसी भूमि पर एक राजकीय इंटर कॉलेज, एक पशु चिकित्सालय का भी निर्माण हुआ है,साथ ही कई मंदिर व मस्जिद भी बने हुए हैं। रेलवे की संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मुहिम चलाने वाले गोसाईगंज रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्र ने इसकी जानकारी डीआरएम समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दी थी।

नि:शुल्क शिविर में 115 लोगों का हुआ नेत्र परीक्षण

अयोध्या।लायंस क्लब रुदौली व मरियम लायंस आई हास्पिटल रुदौली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नेत्र परिक्षण शिविर में 115 लोगों का निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया।हास्पिटल के चेयरमैन डा0 निहाल रजा के नेतृत्व में प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा0 हेमंत कुमार व डा0 ललित कुमार ने स्लिट लैंप द्वारा आंखो की जांच उपरांत जरूरत के मुताविक ड्रॉप एवं दवायें वितरित किया गया। वहीं मोतियाबिंद के आपरेशन हेतु फिट पाये गए नेत्र रोगियों को चिन्हित किया गया। डॉ निहाल रजा ने केकेसी को बताया कि सभी चिन्हित रोगियों के मोतिया बिंद का आपरेशन आधुनिक तकनीक से किया जाएगा और इंट्रा आक्युलर लेंस इम्प्लांट किया जाएगा। इस अवसर पर सुशील गुप्ता, ओपी शर्मा, शकील अहमद, रघुकुल अग्रवाल, नैन्सी सिंह व अनिल खरे आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।